# PHILOSOPHY

# दर्शनशास्त्र

## PAPER—III

## प्रश्न-पत्र—III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

www.examrace.com

## SECTION - I

## खण्ड—I

**Note :** This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

**(5x5=25 marks)**

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

**(5x5=25 अंक)**

Sir Aurobindo on Reality - Sachidānanda - The Life Divine.

"To understand the nature of the reality, it is essential to consider the levels or the cords of Being. They are : Existence, Consciousness-force, Bliss, Supermind, Mind, Psyche, Life and Matter."

"Mind is a subordinating power of supermind, life is a subordinate power of the energy aspect of reality-of consciousness-force. Matter is the form of substance of being, which the existence of Sachidānanda assumes when it subjects itself to this phenomenal action of its own consciousness-force. The Divine descends from pure existence through the play of consciousness-force and Bliss and the creative medium of supermind into cosmic Being, we descend from Matter through a developing life, soul and mind and the illuminating medium of supermind towards the divine being".

श्री अरविन्द

परम सत्ता-सच्चिदानन्द

'दिव्य जीवन' से

"सत्ता के स्वरूप को समझने के लिए, सत्ता के सूत्रों या स्तरों को समझना आवश्यक है। ये हैं : अस्तित्व, चित्-शक्ति, आनन्द, अतिमन, मन, चैत्य, प्राण और जड़-तत्व।"

"मन, अतिमन की अधीनस्थ शक्ति है, जीवन (प्राण) सत्ता की चित्-शक्ति के ऊर्जा पक्ष की अधीनस्थ शक्ति है, जड़-तत्व सत् के द्रव्य का रूप है जिसे सच्चिदानन्द का अस्तित्व तब ग्रहण करता है जब वह अपने-आपको अपनी इस चित्-शक्ति के जागतिक कार्य का विषय बनाता है। भागवत सत्ता, शुद्ध सत् से चित्-शक्ति की क्रीड़ा के द्वारा आनन्द और सर्जनात्मक अतिमन के माध्यम से होते हुए वैश्व सत्ता में नीचे अवतरित होती है; हम जड़-तत्व से विकसनशील जीवन, आत्मा और मन तथा प्रकाशित अतिमन के माध्यम से होते हुए भागवत् सत्ता में ऊपर आरोहण करते है।"

www.examrace.com

**What is Sri Aurobindo's conception of :**
**श्री अरविन्द की इस विषय में अवधारणा क्या है :**

**1.** Sachidānanda.
सच्चिदानन्द

**2.** Evolution and Involution.
विवर्तन (विकास) और निवर्तन (प्रतिविकास)

www.examrace.com

3. Mind.

मन

4. Supermind.

अतिमन

www.examrace.com

5. "Supra-mental manifestation of a divine life here upon earth".

पृथ्वी पर दिव्य जीवन की अतिमानसिक अभिव्यक्ति।

www.examrace.com

SECTION - II

**खण्ड—II**

**Note :** This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

**(5x15=75 marks)**

**नोट :** इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

**(5x15=75 अंक)**

6. Distinguish between vyāvahārika and pāramārthika sattā.

व्यावहारिक और पारमार्थिक सत्ता में भेद कीजिए।

7. State the problem of personal identity.

वैयक्तिक पहचान की समस्या का वर्णन कीजिए।

www.examrace.com

8. Explain Prāmāṇyavāda.

प्रामाण्यवाद को स्पष्ट कीजिए।

9. Examine briefly any one of the theories of error.

भ्रान्ति के सिद्धान्तों में से किसी एक सिद्धान्त की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

www.examrace.com

**10.** Define vyāpti and examine its nature.

व्याप्ति की परिभाषा दीजिए तथा इसकी व्याख्या कीजिए।

**11.** Explain the concept of ṛṇa (duty) according to vedic thought.

वैदिक अवधारणा में ऋण सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

www.examrace.com

12. What is meant by <u>Svadharma</u> ? Explain.

स्वधर्म से क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए।

13. Distinguish between the terms 'duty' and 'obligation'.

कर्त्तव्य और बाध्यता के भेद को स्पष्ट कीजिए।

www.examrace.com

14. Analyse briefly the Reformative theory of punishment.

दण्ड के सुधारवादी सिद्धान्त का संक्षेप में विश्लेषण कीजिए।

15. Define Intuitionism. Explain its salient aspects.

अन्तःज्ञानवाद की परिभाषा दीजिए। इसके प्रमुख पक्षों का विश्लेषण कीजिए।

www.examrace.com

16. State Bentham's views on Utilitarianism.

उपयोगितावाद के सम्बन्ध में बैंथम के विचारों को लिखिए।

17. Distinguish between a proposition and a sentence.

संवाक्य (प्रोपोजीशन) तथा सूक्ति (सेंटेंस) में क्या अन्तर है, लिखिए।

www.examrace.com

18. Explain briefly the theory of quantification.

अनुमान सिद्धान्त को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

19. What is meant by Feminism ? Explain.

स्त्रीवाद से क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए।

www.examrace.com

**20.** What is the purpose of axiomatic method ? Explain the various steps you would take in setting up any axiomatic system.

स्वयं सिद्ध विधि के क्या उद्देश्य हैं? किसी स्वयं सिद्ध प्रणाली की स्थापना में जिन भिन्न भिन्न उपायों को अपनायेंगे, उनकी व्याख्या कीजिए।

**SECTION - III**

**खण्ड—III**

**Note :** This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose <u>only one</u> elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

**(12x5=60 marks)**

**नोट :** इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

**(12x5=60 अंक)**

**Elective - I**

**विकल्प—I**

**21.** Explain briefly the significance of the doctrine of incarnation in the Indian religious tradition.

भारतीय धार्मिक परम्परा में अवतार के सिद्धान्त के महत्व की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

www.examrace.com

22. Examine the nature of inter-religious dialogue for promoting religious harmony.

धार्मिक सामंजस्य को बढ़ावा देने के लिए अन्तर-धार्मिक संवाद के स्वरूप की परीक्षा कीजिए।

23. Bring out the salient aspects of Tribal religion in India.

भारत में आदिम जाति-धर्म के प्रमुख पक्षों को बताइए।

24. State and examine the destiny of man according to Christianity.

ईसाई धर्म के अनुसार मनुष्य की भवितव्यता का विवेचन और परीक्षा कीजिए।

25. State and examine the role of faith in the Indian religious tradition.

भारतीय धार्मिक परम्परा में विश्वास की भूमिका का विवेचन और परीक्षा कीजिए।

**OR / अथवा**

**Elective - II**
**विकल्प—II**

21. Examine Frege's distinction between sense and reference.

फ्रेगे कृत, प्रयुक्त शब्द (सेन्स) तथा शब्द-निर्देश (रेफरेन्स) के, भेद की परीक्षा कीजिए।

22. Bring out the relation between meaning and truth.

अर्थ और सत्य के मध्य सम्बन्ध का विवेचन कीजिए।

23. Analyse Quine's critique of linguistic theory of necessary propositions.

क्वाइन के आलोचनात्मक भाषा-विज्ञान (क्रिटीक ऑफ लिंग्विस्टिक) के अनिवार्य तर्क-वाक्यों के सिद्धान्त का विश्लेषण कीजिए।

24. Explain the terms 'Meaning and Use' according to the Pragmatics.

अर्थक्रियावादियों के अनुसार 'अर्थ और उपयोग' के पदों की व्याख्या कीजिए।

25. State the conception of philosophy according to the linguistic thinkers.

भाषा विज्ञानी चिन्तकों के अनुसार दर्शन की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

**OR / अथवा**

**Elective - III**
**विकल्प—III**

21. Distinguish between Phenomenology and solipsicism bringing out their salient aspects.

संवृत्तिशास्त्र (फिनामेनालॉजी) और अहंमात्रतावाद के भेद को स्पष्ट करते हुए उनके प्रमुख पक्षों का उल्लेख कीजिए।

22. Explain C.S. Peirce's contribution to phenomenology.

संवृत्तिशास्त्र (फिनामेनालॉजी) के लिए सी.एस. पियर्स के योगदान की व्याख्या कीजिए।

23. Examine in detail Sartre's phenomenological ontology.

सार्त्र के संवृत्तिशास्त्रीय तत्वशास्त्र की विस्तार से परीक्षा कीजिए।

www.examrace.com

24. Analyse the fundamental concepts of phenomenology of Edmund Husserl.

एडमण्ड हुसरल के संवृत्तिशास्त्र की आधारभूत अवधारणाओं का विश्लेषण कीजिए।

25. Analyse any <u>one</u> of the hermeneutical thinkers contribution to philosophy.

दर्शनशास्त्र में शास्त्रार्थमीमांसा के चिन्तकों में से किसी एक के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

**OR / अथवा**

**Elective - IV**

**विकल्प—IV**

21. Explain the nature and validity of from the different viewpoints in Indian philosophy.

भारतीय दर्शन में विभिन्न दृष्टियों से शब्द प्रमाण के स्वरूप और वैधता की व्याख्या कीजिए।

22. Analyse briefly Ramanuja's interpretation of <u>mahavakyas</u>.

रामानुज द्वारा की गयी महावाक्यों की व्याख्या का संक्षिप्त विश्लेषण कीजिए।

23. Outline the fundamental aspects of Vallabha's philosophy.

वल्लभ के दर्शन के आधारभूत पक्षों का विवेचन कीजिए।

24. State Madhva's theory of Knowledge.

मध्व के ज्ञान के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

25. What according to <u>pratibimbavāda</u> is the nature of <u>jīvā</u> and Iśvara ? Discuss.

प्रतिबिम्बवाद के अनुसार जीव और ईश्वर का स्वरुप क्या है? विचार कीजिए।

**OR / अथवा**

**Elective - V**

**विकल्प—V**

21. Outline the salient aspects of Gandhian philosophy with special reference to self, world and God.

आत्मा, जगत् और ईश्वर के विशेष सन्दर्भ में गाँधी दर्शन के प्रमुख पक्षों पर विचार कीजिए।

22. Is there continuity or break by the post-Gandhians in their approach to establish a stateless society.

उत्तर-गाँधीवादियों के राज्यविहिन समाज की स्थापना के प्रयास में सातत्यता है या अन्तराल है।

23. Analyse the cardinal virtues required by a satyagrahi.

सत्याग्रही के लिए आवश्यक प्रमुख गुणों का विश्लेषण कीजिए।

www.examrace.com

24. What are the basic moral foundations of good life according to Gandhi ?

गाँधी के अनुसार शुभ जीवन के मूलभूत नैतिक आधार क्या हैं?

25. Evaluate Gandhi's ideas and ideals to uphold and practice the principle of sarvadharma samabhava in the present-day society.

वर्तमान समाज में सर्वधर्म समभाव के सिद्धान्त को ग्रहण करने और उसका अभ्यास करने के लिए गाँधी के विचारों और आदर्शों का मूल्यांकन कीजिए।

www.examrace.com

## SECTION - IV

## खण्ड—IV

**Note :** This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

**(40x1=40 marks)**

**नोट :** इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

**(40x1=40 अंक)**

**26.** Analyse the Gandhian concept of <u>satyāgraha</u> and evaluate its application to resolve socio-political conflicts in India.

गाँधी के सत्याग्रह की अवधारणा का विश्लेषण कीजिए और बतलाइये कि यह भारत में किस प्रकार सामाजिक एवं राजनीतिक संघर्षों को समाप्त करने में सहायक है।

**OR / अथवा**

Give an account of the nature of Brahman according to Sankara. How does it differ from the interpretations of Rāmānujā and Madhva ? Analyse critically their viewpoints.

शंकर के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप का वर्णन कीजिए। यह रामानुज और मध्व की व्याख्याओं से किस प्रकार भिन्न है ? उनके दृष्टिकोणों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

**OR / अथवा**

Can there be rights without duties ? How would you relate the two in the context of Indian society with secular ideology.

क्या अधिकार, बिना कर्तव्यों के हो सकते हैं ? आप इन दोनों को भारतीय समाज की धर्म निरपेक्षतावादी विचारधारा से किस प्रकार सम्बन्धित करेंगे ?

**OR / अथवा**

Explain the verification theory and show whether it leads to the elimination of metaphysics.

सत्यापन सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए और यह दिखाइये कि क्या यह सिद्धान्त तत्वमीमांसा का खण्डन करता है ?

**OR / अथवा**

Mention the various arguments for the existence of God and critically explain any one of them.

ईश्वर के अस्तित्व के विभिन्न प्रमाणों को उधृत कीजिए और उनमें से किसी एक की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

www.examrace.com

## FOR OFFICE USE ONLY

**Marks Obtained**

| Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 26 | | 51 | | 76 | |
| 2 | | 27 | | 52 | | 77 | |
| 3 | | 28 | | 53 | | 78 | |
| 4 | | 29 | | 54 | | 79 | |
| 5 | | 30 | | 55 | | 80 | |
| 6 | | 31 | | 56 | | 81 | |
| 7 | | 32 | | 57 | | 82 | |
| 8 | | 33 | | 58 | | 83 | |
| 9 | | 34 | | 59 | | 84 | |
| 10 | | 35 | | 60 | | 85 | |
| 11 | | 36 | | 61 | | 86 | |
| 12 | | 37 | | 62 | | 87 | |
| 13 | | 38 | | 63 | | 88 | |
| 14 | | 39 | | 64 | | 89 | |
| 15 | | 40 | | 65 | | 90 | |
| 16 | | 41 | | 66 | | 91 | |
| 17 | | 42 | | 67 | | 92 | |
| 18 | | 43 | | 68 | | 93 | |
| 19 | | 44 | | 69 | | 94 | |
| 20 | | 45 | | 70 | | 95 | |
| 21 | | 46 | | 71 | | 96 | |
| 22 | | 47 | | 72 | | 97 | |
| 23 | | 48 | | 73 | | 98 | |
| 24 | | 49 | | 74 | | 99 | |
| 25 | | 50 | | 75 | | 100 | |

Total Marks Obtained (in words) ..................................

(in figures) ..................................

Signature & Name of the Coordinator ..............................

(Evaluation) Date ............................

www.examrace.com